फूल और काँटा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). हरिऔध जी का जन्म कहाँ हुआ था?
उत्तर – आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) में

प्रश्न 2 (आसान). उनकी सबसे चर्चित रचना का नाम क्या है?
उत्तर – प्रियप्रवास

प्रश्न 3 (मध्यम). हरिऔध जी ने बच्चों के लिए कौन-कौन सी कविताओं के संग्रह लिखे? उनका महत्व बताओ।
उत्तर – चंद्र-खिलौना और खेल-तमाशा। ये बच्चों को सरल और मजेदार तरीके से नैतिक शिक्षा देती हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). प्रियप्रवास को खड़ी बोली का पहला महाकाव्य क्यों कहा जाता है और इससे हिंदी साहित्य को क्या लाभ हुआ?
उत्तर – क्योंकि इससे पहले महाकाव्य संस्कृत या ब्रज में लिखे जाते थे। इससे खड़ी बोली को साहित्यिक भाषा का दर्जा मिला और आम लोगों तक पहुँच आसान हुई।

» कविता का भावार्थ और प्रथम पाठ

प्रश्न 5 (आसान). फूल और काँटे का जन्म कहाँ होता है?
उत्तर – एक ही जगह

प्रश्न 6 (आसान). दोनों पर चाँद क्या डालता है?
उत्तर – एक ही सी चाँदनी

प्रश्न 7 (मध्यम). कविता के अनुसार काँटा क्या करता है और फूल क्या करता है?
उत्तर – काँटा उँगलियाँ छेदता और कपड़ा फाड़ता है, फूल तितलियों को गोद में लेता, भौंर को रस पिलाता और खुशबू देता है

प्रश्न 8 (कठिन). कविता क्यों कहती है कि कुल की बड़ाई काम नहीं देती? उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – क्योंकि अगर किसी में बड़प्पन की कमी हो तो कुल की प्रशंसा व्यर्थ है; जैसे कुल अच्छा हो पर व्यक्ति बुरा हो तो लोग उसकी तारीफ नहीं करते

» फूल और काँटे के स्वभाव में अंतर

प्रश्न 9 (आसान). काँटा किस-किस को चुभता है?
उत्तर – उँगलियाँ और भौंरे के श्याम तन को

प्रश्न 10 (आसान). फूल तितलियों को क्या देता है?
उत्तर – गोद में लेकर प्यार

प्रश्न 11 (मध्यम). फूल और काँटे दोनों को एक समान क्या मिलता है?
उत्तर – एक ही चाँदनी, बारिश और हवा

प्रश्न 12 (कठिन). कविता के अनुसार बड़प्पन किससे आता है – कुल से या स्वभाव से? फूल-काँटे का उदाहरण देकर लिखो।
उत्तर – स्वभाव से। फूल का अच्छा स्वभाव उसे सुंदर बनाता है, काँटे का कठोर स्वभाव उसे खटकता बनाता है।

» प्रतीक के रूप में फूल और काँटा

प्रश्न 13 (आसान). कविता के अनुसार, एक दयालु व्यक्ति को आप फूल कहेंगे या काँटा?
उत्तर – फूल

प्रश्न 14 (आसान). जो व्यक्ति दूसरों को दुख पहुँचाता है, वो किसका प्रतीक है?
उत्तर – काँटे का

प्रश्न 15 (मध्यम). क्या 'सुंदरता' फूल का प्रतीक हो सकती है? क्यों?
उत्तर – हाँ, सुंदरता फूल का प्रतीक हो सकती है, क्योंकि फूल खुद सुंदर होता है और दूसरों को भी अपनी सुंदरता से प्रसन्न करता है।

प्रश्न 16 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति हमेशा अपना ही फ़ायदा देखता है, तो कविता के अनुसार वह फूल है या काँटा? समझाओ।
उत्तर – वह काँटा है, क्योंकि काँटा सिर्फ़ चुभना और नुकसान पहुँचाना जानता है, वैसे ही स्वार्थी व्यक्ति सिर्फ़ अपना हित देखता है और दूसरों को दुख देता है।

» बड़प्पन की सही परिभाषा

प्रश्न 17 (आसान). बड़प्पन का अर्थ क्या है?
उत्तर – बड़ाई, श्रेष्ठता या गौरव का भाव

प्रश्न 18 (आसान). क्या कुल बड़ा होने से बड़प्पन आ जाता है?
उत्तर – नहीं, गुण और कर्म से आता है

प्रश्न 19 (मध्यम). कविता की पंक्ति 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे...' का क्या अर्थ है? उदाहरण दो।
उत्तर – कुल की बड़ाई तब काम नहीं आती जब व्यक्ति में बड़प्पन की कमी हो, जैसे घमंडी अमीर आदमी को लोग पसंद नहीं करते

प्रश्न 20 (कठिन). अपने शब्दों में समझाओ कि बड़प्पन फूल के गुणों से कैसे जुड़ा है और काँटे से क्यों नहीं।
उत्तर – फूल प्रेम, दया, सुगंध बाँटता है – ये बड़प्पन के गुण हैं। काँटा चुभता, नुकसान करता है – ये बड़प्पन नहीं। बड़प्पन अच्छे स्वभाव से आता है, न कि जन्म से।

» कविता में व्यक्त समानताएँ

प्रश्न 21 (आसान). फूल और काँटे दोनों पर क्या एक समान बरसता है?
उत्तर – मेह (बारिश)

प्रश्न 22 (आसान). दोनों को एक ही क्या पालता है?
उत्तर – एक पौधा

प्रश्न 23 (मध्यम). कविता में लिखी तीन समानताएँ बताओ और समझाओ कि वे क्यों महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – 1. एक ही जगह जन्म 2. एक पौधा पालन 3. एक समान चाँदनी, वर्षा और हवा। ये बताती हैं कि शुरुआत भले एक हो, लेकिन व्यवहार अलग हो सकता है।

प्रश्न 24 (कठिन). अगर फूल और काँटे की समानताएँ न होतीं तो कविता का मुख्य संदेश कैसे बदल जाता? अपने शब्दों में समझाओ।
उत्तर – संदेश कमजोर पड़ जाता क्योंकि कवि पहले समान परिस्थितियाँ दिखाकर बताते हैं कि फिर भी स्वभाव से फर्क पड़ता है, यही तो बड़प्पन की असली बात है।

» कविता की रचना विशेषताएँ

प्रश्न 25 (आसान). 'है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर' में कौन-सी विशेषता है?
उत्तर – विपरीतार्थक शब्दों का प्रयोग (खटकता - सोहता)

प्रश्न 26 (आसान). 'प्यार-डूबी तितलियों' में क्या विशेषता दिखती है?
उत्तर – मुहावरे का प्रयोग

प्रश्न 27 (मध्यम). कविता में 'फूल तितलियों को गोद में ले रहा है' – यह किस रचना विशेषता का उदाहरण है और क्यों?
उत्तर – मानवीकरण, क्योंकि फूल में इंसान जैसा काम (गोद में लेना) दिखाया गया है।

प्रश्न 28 (कठिन). पूरी कविता में तुकांत, मानवीकरण और 'र' लोप को ढूँढकर बताओ कि ये कविता को कैसे याद रखने लायक बनाते हैं?
उत्तर – तुकांत लय देता है, मानवीकरण भाव जोड़ता है, 'र' लोप बोलचाल जैसा स्वाभाविक प्रवाह बनाता है – सब मिलकर कविता सुंदर और प्रभावशाली हो जाती है।

» कविता का सौंदर्य और शब्द-चयन

प्रश्न 29 (आसान). पंक्ति में उपयुक्त शब्द भरो - 'एक ही पौधा उन्हें है ____' (पालता, खिलाता)
उत्तर – पालता

प्रश्न 30 (आसान). '____ उन पर है बरसता एक सा' - (मेह, पानी)
उत्तर – मेह

प्रश्न 31 (मध्यम). विशेषण और विशेष्य बताओ - 'फाड़ देता है किसी का वर बसन' में
उत्तर – विशेषण: वर, विशेष्य: बसन

प्रश्न 32 (कठिन). अपने शब्दों से 'चाँद' के लिए दो उपयुक्त विशेषण सोचो जो कविता में फिट हों
उत्तर – चमकता इंदु या शुभ्र चाँद

» विशेषण और विशेष्य की पहचान

प्रश्न 33 (आसान). पंक्ति 'श्याम तन' में विशेषण क्या है?
उत्तर – श्याम

प्रश्न 34 (आसान). 'अनूठा रस' में विशेष्य क्या है?
उत्तर – रस

प्रश्न 35 (मध्यम). पंक्ति 'निज सुगंधों' में विशेषण और विशेष्य लिखिए।
उत्तर – विशेषण: निज, विशेष्य: सुगंधों

प्रश्न 36 (कठिन). अपने शब्दों में 'फूल' के लिए तीन विशेषण और 'काँटा' के लिए दो विशेषण सोचकर लिखिए, फिर बताइए कौन विशेषण है कौन विशेष्य।
उत्तर – फूल: सुंदर (विशेषण), लाल (विशेषण), महकता (विशेषण); काँटा: नुकीला (विशेषण), तेज (विशेषण); विशेष्य: फूल और काँटा

» कल्पना और सृजनात्मक गतिविधियाँ

प्रश्न 37 (आसान). कल्पना कीजिए कि चाँदनी सिर्फ एक पौधे पर पड़ती है। दूसरे पौधों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – दूसरे पौधे सूख जाएंगे, फूल नहीं खिलेंगे, कीट-पतंगे कम आएंगे।

प्रश्न 38 (आसान). यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया कैसी लगती?
उत्तर – बहुत उबाऊ, कोई फर्क नहीं, न अच्छाई न बुराई का मजा।

प्रश्न 39 (मध्यम). फूल और काँटे के बीच छोटा संवाद लिखिए जिसमें वे अपने स्वभाव की बात करें।
उत्तर – फूल: मैं सुगंध और रंग से सबको खुश करता हूँ।
काँटा: मैं चुभकर पौधे की रक्षा करता हूँ, बिना मेरे तुम सुरक्षित नहीं।

प्रश्न 40 (कठिन). कल्पना कीजिए कि आपको फूल या काँटे के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिला। आप किसके गुण अपनाएंगे और क्यों? विस्तार से लिखिए।
उत्तर – मैं फूल के गुण अपनाऊंगा क्योंकि सुगंध, कोमलता और परोपकार से लोग खुश होते हैं। काँटे की कठोरता सिर्फ जरूरत पड़ने पर थोड़ी अपनाऊंगा, लेकिन मुख्य रूप से फूल जैसा बनना चाहता हूँ।

» वाद-विवाद : फूल और काँटे दोनों की आवश्यकता

प्रश्न 41 (आसान). फूल और काँटे की एक समानता क्या है?
उत्तर – एक ही पौधा उन्हें है पालता

प्रश्न 42 (आसान). काँटे का एक काम बताओ।
उत्तर – उँगलियाँ छेदना और सुरक्षा देना

प्रश्न 43 (मध्यम). वाद-विवाद में अगर कोई कहे सिर्फ फूल अच्छा है तो तुम क्या तर्क दोगे?
उत्तर – काँटा सुरक्षा देता है, बिना काँटे के फूल भी सुरक्षित नहीं रह पाएगा

प्रश्न 44 (कठिन). अपने शब्दों में समझाओ कि 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर' का मतलब क्या है और इससे फूल-काँटे का संबंध कैसे जोड़ोगे?
उत्तर – कुल की बड़ाई तब तक काम नहीं देती जब तक व्यक्ति में बड़प्पन यानी अच्छे गुण न हों – ठीक वैसे ही जैसे फूल का सुंदर होना काँटे की सुरक्षा के बिना अधूरा है

» आस-पास के उदाहरण और व्यक्तिगत अनुप्रयोग

प्रश्न 45 (आसान). नमक और चीनी को फूल-काँटे से कैसे जोड़ोगे?
उत्तर – नमक काँटे जैसा थोड़ा कड़वा लेकिन जरूरी, चीनी फूल जैसी मीठी, दोनों मिलकर खाना स्वादिष्ट बनाते हैं।

प्रश्न 46 (आसान). सुख और दुख का एक आस-पास का उदाहरण दो।
उत्तर – परीक्षा में अच्छे नंबर आने का सुख और तैयारी के समय का थकान-दुख, दोनों मिलकर सफलता देते हैं।

प्रश्न 47 (मध्यम). कोई समस्या जो काँटे जैसी लगे, जैसे भाई-बहन का झगड़ा, उसका समाधान सुझाओ।
उत्तर – समस्या – रोज लड़ाई, समाधान – दोनों को अपनी बात शांतिपूर्वक सुनना और एक-दूसरे की मदद करना, इससे घर में फूल जैसी खुशी आएगी।

प्रश्न 48 (कठिन). अपने गाँव या मोहल्ले की एक समस्या को काँटे जैसा मानकर उसका पूरा समाधान और प्रसन्नता फैलाने का उपाय लिखो।
उत्तर – समस्या – बिजली कटौती (काँटा), समाधान – सब मिलकर सोलर पैनल लगवाना और ऊर्जा बचाना; इससे रोशनी (फूल) और खुशी दोनों आएंगे।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. हरिऔध जी की दो प्रमुख उपलब्धियाँ बताओ और समझाओ कि वे बच्चों के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं।

› पहले उनका जन्म और मुख्य रचना याद करो – जन्म आजमगढ़ में 1865 में हुआ, और प्रियप्रवास खड़ी बोली का पहला महाकाव्य है।

› फिर बच्चों के लिए लिखी रचनाएँ देखो – चंद्र-खिलौना और खेल-तमाशा जैसी कविताएँ।

› अब समझाओ – ये रचनाएँ बच्चों को सरल भाषा में नैतिक शिक्षा और मजा दोनों देती हैं, जैसे 'उठो लाल' कविता रोज़ की आदत सिखाती है।

उत्तर – प्रियप्रवास – खड़ी बोली का पहला महाकाव्य, भाषा को नया रूप दिया। चंद्र-खिलौना और खेल-तमाशा – बच्चों को

रोचक कविताएँ दीं, जिससे पढ़ना मजेदार बनता है।

उदाहरण 2. कविता के आधार पर बताओ कि फूल और काँटे को क्या समान चीजें मिलती हैं और उनका स्वभाव कैसे अलग है?

› पहले पढ़ो – 'हैं जनम लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता' – जन्म और पालन एक समान
› फिर 'रात में उन पर चमकता चाँद भी, एक ही सी चाँदनी है डालता' – चाँदनी एक समान
› अगला – 'मेह उन पर है बरसता एक सा, एक सी उन पर हवायें हैं बही' – बारिश और हवा भी एक समान
› अब अलग-अलग – काँटा उँगलियाँ छेदता है, कपड़ा फाड़ता है
› फूल तितलियों को गोद में लेता, भौंर को रस पिलाता, सुगंध और रंग से खुश करता है
› अंत में समझो – कुल की बड़ाई तब तक व्यर्थ जब तक बड़प्पन न हो

उत्तर – दोनों को एक ही जगह, पौधा, चाँदनी, वर्षा और हवा मिलती है पर काँटा चुभता-फाड़ता है जबकि फूल सुगंध, रस और खुशी देता है।

उदाहरण 3. कविता के आधार पर बताओ कि काँटे और फूल के स्वभाव में क्या अंतर है? दो-दो पंक्तियों के उदाहरण देकर समझाओ।

› पहले काँटे के नुकसानदेह कार्य देखो – 'छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन'
› फिर भौंरे को भी चुभाने का काम – 'भौंर का है बेध देता श्याम तन'
› अब फूल के सकारात्मक कार्य देखो – 'फूल लेकर तितलियों को गोद में, भौंर को अपना अनूठा रस पिला'
› फूल सुगंध और रंग देकर कली को खिलाता है – 'निज सुगंधों औ निराले रंग से, है सदा देता कली का जी खिला'
› निष्कर्ष निकालो कि काँटा कठोरता और नुकसान का प्रतीक है, फूल प्रेम और सुख का

उत्तर – काँटा नुकसान पहुँचाता है (छेदना, फाड़ना), फूल सुख देता है (गोद, रस, सुगंध, रंग)।

उदाहरण 4. कविता में फूल और काँटा किन मानवीय गुणों और अवगुणों के प्रतीक हैं?

› पहले सोचो, फूल हमें क्या-क्या देता है? सुगंध, रंग, खुशी।
› अब इसे मानवीय गुणों से जोड़ो। फूल की तरह कौन-सा व्यक्ति दूसरों को खुशी, प्रेम और सुंदरता देता है?
› फिर सोचो, काँटा क्या करता है? चुभता है, फाड़ता है, दर्द देता है।
› अब इसे मानवीय अवगुणों से जोड़ो। काँटे की तरह कौन-सा व्यक्ति दूसरों को कठोरता, पीड़ा और स्वार्थ दिखाता है?

उत्तर – कविता में 'फूल' अच्छाई, सुंदरता, प्रेम, कोमलता, परोपकार, आनंद का प्रतीक है। वहीं, 'काँटा' बुराई, कठोरता, पीड़ा, स्वार्थ और दुख का प्रतीक है।

उदाहरण 5. कविता के आधार पर बताओ कि निम्न में से कौन-सा कथन 'बड़प्पन' के लिए सबसे उपयुक्त है? (क) धन-दौलत से बड़प्पन पता चलता है (ख) बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्म से पहचाना जाता है

› पहले कविता की पंक्ति याद करो – 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर'
› इसका मतलब समझो कि कुल या बाहरी चीज़ बड़प्पन नहीं दे सकती
› अब विकल्प देखो – (क) गलत है क्योंकि धन या कुल से नहीं
› विकल्प (ख) सही है क्योंकि कविता कहती है बड़प्पन गुण, स्वभाव और कर्म से आता है
› निष्कर्ष – बड़प्पन आंतरिक गुणों से मापा जाता है

उत्तर – सही कथन है – बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्म से पहचाना जाता है

उदाहरण 6. कविता के आधार पर फूल और काँटे की तीन समानताएँ लिखकर बताओ और फिर एक अंतर भी लिखो।

› पहले पंक्ति देखो – 'हैं जनम लेते जगह में एक ही' – मतलब दोनों एक ही जगह जन्म लेते हैं।
› फिर 'एक ही पौधा उन्हें है पालता' – एक ही पौधा दोनों को पालता-पोसता है।
› अब 'मेह उन पर है बरसता एक सा, एक सी उन पर हवायें हैं बही' – दोनों पर एक जैसी बारिश और हवा लगती है।
› अंतर – फूल प्यार देता है, काँटा चुभता और नुकसान पहुँचाता है, यानी स्वभाव अलग।

उत्तर – समानताएँ: 1. एक ही जगह जन्म, 2. एक पौधा द्वारा पालन, 3. समान चाँदनी, वर्षा और हवा। अंतर: फूल अच्छाई और सुंदरता देता है, काँटा पीड़ा और कठोरता।

उदाहरण 7. कविता की इन पंक्तियों में रचना विशेषताएँ पहचानो: 'फूल लेकर तितलियों को गोद में, भौंर को अपना अनूठा रस पिला। निज सुगंधों औ निराले रंग से, है सदा देता कली का जी खिला।'

› पहले देखो तुकांत – 'में' के साथ 'पिला', 'से' के साथ 'खिला' मिलती ध्वनि है।

› फिर मुहावरा और लोप – 'औ' यानी 'और' में 'र' वर्ण लोप हुआ।

› मानवीकरण – 'कली का जी खिला' मतलब कली को इंसान जैसा भाव दिया, जैसे उसका मन प्रसन्न हुआ।

› विपरीतार्थक शब्द कहीं नहीं लेकिन बाकी तीन विशेषताएँ साफ हैं।

उत्तर – तुकांत, 'र' वर्ण का लोप, मानवीकरण – ये तीन विशेषताएँ मुख्य हैं।

उदाहरण 8. पंक्ति पूरी करो: 'भौंर का है बेध देता ____ तन' और सही शब्द चुनो - (काला, श्याम, गहरा)

› पहले पंक्ति पढ़ो - भौंरे के शरीर की बात हो रही है।

› अब विकल्प देखो - काला, श्याम, गहरा।

› श्याम शब्द सबसे काव्यात्मक है क्योंकि ये कविता की भाषा में सूट करता है, छवि बनाता है।

› इसलिए 'श्याम' विशेषण चुनो जो 'तन' विशेष्य की काली सुंदरता बताता है।

उत्तर – श्याम तन

उदाहरण 9. पंक्ति 'फाड़ देता है किसी का वर बसन' में विशेषण और विशेष्य की पहचान कीजिए।

› पहले पंक्ति को पढ़ो – 'फाड़ देता है किसी का वर बसन'

› देखो कौन सा शब्द विशेषता बता रहा है – 'वर' यानी सुंदर, ये बसन की खासियत बता रहा है।

› तो 'वर' विशेषण है।

› जिसकी विशेषता बताई गई वो 'बसन' यानी कपड़ा, इसलिए 'बसन' विशेष्य है।

उत्तर – विशेषण: वर, विशेष्य: बसन

उदाहरण 10. कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है। उनके बीच संवाद लिखिए।

› पहले तितली का भाव समझो – वह काँटे की कठोरता से डरती है लेकिन उसकी रक्षा करने वाली ताकत को पसंद करती है।

› काँटे का स्वभाव – वह चुभता है लेकिन पौधे की सुरक्षा करता है, इसलिए गर्व महसूस करता है।

› संवाद में दोनों के गुण जोड़ो – तितली फूल की नरमी लाए, काँटा अपनी मजबूती बताए।

› दो-तीन लाइन का छोटा संवाद लिखो जिसमें दोनों एक-दूसरे को समझें।

उत्तर – तितली: ओ काँटे भाई, तुम चुभते हो पर पौधे की रक्षा करते हो, मुझे तुमसे दोस्ती करनी है।
काँटा: हाँ तितली, तुम फूल पर नाचती हो, मैं चुभकर सबको दूर रखता हूँ। साथ में पौधे को मजबूत बनाएंगे।

उदाहरण 11. वाद-विवाद में सिद्ध करो कि जीवन में फूल और काँटे दोनों की आवश्यकता है। कम से कम दो तर्क दो।

› पहला तर्क – फूल सुंदरता, प्रेम और आनंद देता है जैसे 'फूल लेकर तितलियों को गोद में' लेकिन बिना काँटे के सुरक्षा नहीं होगी

› दूसरा तर्क – काँटा हमें सावधान बनाता है, चोट से बचाता है, जैसे 'है खटकता एक सब की आँख में' पर वही हमें मजबूत भी बनाता है

› निष्कर्ष – दोनों मिलकर ही संतुलन बनाते हैं, सिर्फ एक हो तो जीवन अधूरा रहेगा

उत्तर – जीवन में फूल और काँटे दोनों जरूरी हैं क्योंकि वे सुख-दुख का संतुलन बनाते हैं।

उदाहरण 12. तुम्हारे आस-पास की एक समस्या जो काँटे जैसी लगती है, उसका वर्णन करो और उसका समाधान भी बताओ।

› पहले समस्या को काँटे से जोड़कर समझाओ – जैसे मेरे घर के पास गली में कचरा जमा हो जाता है, यह काँटे जैसा है क्योंकि बदबू और बीमारी फैलाता है।

› फिर सोचो इसका समाधान – हम सब मिलकर हर रविवार को साफ-सफाई करें, कचरा अलग-अलग करके डस्टबिन में डालें।

› इससे क्या होगा – गली साफ होगी, फूल जैसी खुशी और स्वास्थ्य मिलेगा, सब प्रसन्न रहेंगे।

उत्तर – समस्या: गली में कचरा (काँटा), समाधान: सामूहिक सफाई और segregation – इससे स्वच्छता (फूल) आएगी।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में कवि-परिचय के 2-3 अंक के प्रश्न आते हैं – जन्म-स्थान, प्रियप्रवास और बच्चों वाली रचनाएँ जरूर याद रखो।

• बोर्ड एग्जाम में यह पूछा जा सकता है कि कविता फूल और काँटे से क्या सिखाती है, इसलिए समानताएँ और अंतर दोनों लिखना।

• परीक्षा में 'फूल और काँटे के स्वभाव में अंतर' पर 3-4 अंकों का प्रश्न आ सकता है – कविता की पंक्तियाँ उद्धृत करके लिखना, सिर्फ नाम न लिखना।

• यह कविता 'प्रतीक' के रूप में बहुत महत्वपूर्ण है। परीक्षा में अक्सर 'फूल और काँटे' के प्रतीकात्मक अर्थ पर सवाल आते हैं, तो इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है – 'कविता के अनुसार बड़प्पन की सही परिभाषा क्या है?' तो हमेशा लिखो कि यह गुण, स्वभाव और कर्म से आता है, कुल से नहीं।

• परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है – कविता में फूल और काँटे की समानताएँ लिखो – ठीक 4-5 पॉइंट्स याद रखो, 3-4 अंक आसानी से मिल जाएंगे।

• बोर्ड परीक्षा में कविता की रचना विशेषताएँ पूछे जाने पर पंक्तियाँ उद्धृत करके पहचान बताना, इससे 2-3 अंक आसानी से मिल जाते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में शब्द-चयन या विशेषण-विशेष्य पूछे जाते हैं, हमेशा पंक्ति का भाव समझकर चुनो।

• बोर्ड एग्जाम में पंक्तियों से विशेषण-विशेष्य अलग करने का प्रश्न बार-बार आता है, टेबल बनाकर लिखना न भूलना।

• बोर्ड परीक्षा में यह concept अक्सर 5 अंकों का प्रश्न बनता है – कल्पना आधारित 4-5 वाक्यों का उत्तर लिखो, उदाहरण देकर।

• बोर्ड परीक्षा में वाद-विवाद के सवाल में दोनों पक्षों के तर्क अवश्य दो, सिर्फ एक तरफ मत लिखो – इससे नंबर ज्यादा मिलते हैं

• वाद-विवाद में दोनों पक्ष के 2-3 आस-पास के उदाहरण और व्यक्तिगत समाधान जरूर लिखो, अंक ज्यादा मिलेंगे।

एक नज़र में रिवीज़न

› हरिऔध: आजमगढ़, प्रियप्रवास (1st खड़ी बोली महाकाव्य), चंद्र-खिलौना

› फूल-काँटा: एक पौधा, अलग स्वभाव, बड़प्पन गुणों से

› काँटा=नुकसान, फूल=सुख; बड़प्पन स्वभाव से

› फूल = अच्छाई, काँटा = बुराई; मानवीय स्वभाव के प्रतीक।

› बड़प्पन = गुण+स्वभाव+कर्म (कुल नहीं)

› फूल-काँटा: एक जगह जन्म, एक पौधा, एक चाँदनी-बारिश-हवा, पर ढंग अलग

› तुकांत, मुहावरा, मानवीकरण, विपरीत शब्द, 'र' लोप

› शब्द-चयन: उपयुक्त शब्द से कविता सुंदर बने (रजनी, श्याम तन)

› विशेषण=विशेषता बताने वाला, विशेष्य=जिसकी विशेषता बताई जाए

› कल्पना: चाँदनी-हवा न हों तो क्या? फूल-काँटा संवाद, चित्र, समाधान

› फूल-काँटे दोनों जरूरी: सुख-दुख का संतुलन

› आस-पास जोड़ ढूंढो (नमक-चीनी, सुख-दुख), समस्या का समाधान सोचो